लॉजिस्टिक्स डाटा बैंक परियोजना

drishtiias.com/hindi/printpdf/logistics-data-bank-project

लॉजिस्टिक्स डाटा बैंक प्रोजेक्ट

- लॉजिस्टिक्स डाटा बैंक (एलडीबी) प्रोजेक्ट का अनावरण जुलाई 2016 में किया गया था। इसका उद्देश्य भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से और अधिक कुशल बनाना है।
- यह प्रोजेक्ट देश के दक्षिणी क्षेत्र में शीघ्र ही अपने कार्योंका विस्तार करेगा।
- यह अब तक केवल पश्चिमी लॉजिस्टिक्स गलियारे को ही कवर करता था।

सुविधाएँ

- एलडीबी सुविधा आयातकों और निर्यातकों को अपने सामान पर नज़र रखने में सहायता करती है ।
- इसमें प्रत्येक कंटेनर एक रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान टैग (आरएफआईडी) से जुड़ा होता है, जिसे आरएफआईडी रीडर के माध्यम से ट्रैक किया जाता है।
- इससे कंटेनर के आवा-जाही के समग्र समय में कटौती के साथ-साथ लेन-देन की लागत भी कम हो जाती है, जिसे सामान पाने वाले और शिपर्स को वहन करना पड़ता है।

व्यापार करने मेंआसानी

- लॉजिस्टिक्स डाटा बैंक प्रोजेक्ट को भारत के 'व्यापार करने में आसानी' पहल के रूप में माना गया है, जिसका उद्देश्य भारत के विदेशी व्यापार को बढ़ावा देना तथा अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।
- यह परियोजना रेलवे या सड़क के माध्यम से कंटेनर डिपो से कंटेनर फ्रेट स्टेशन तक पूरी आवा-जाही को कवर करती है।
- यह सेवा एजेंसियों के पास उपलब्ध सूचनाओं को एकीकृत करती है, ताकि एक एकल विंडो के भीतर विस्तृत एवं वास्तविक समय की जानकारी प्रदान की जा सके।

डीएलडीएसएल

- एलडीबी को दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लॉजिस्टिक्स डाटा सर्विसेज लिमिटेड (डीएलडीएसएल) नामक एक विशेष प्रयोजन वाहन के ज़रिए लागू किया जा रहा है।
- डीएलडीएसएल में दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) ट्रस्ट और जापानी आईटी सर्विसेज प्रमुख एनईसी निगम का संयुक्त रूप से (50:50) हिस्सा है।
- 1 जुलाई, 2016 को डीएलडीएसएल को जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह, मुंबई में शुरू किया गया था।

- इस साल मई से अब तक गुजरात में स्थित अदानी बंदरगाह विशेष आर्थिक क्षेत्र, मुंद्रा और अदानी हज़िरा बंदरगाह, दोनों कंटेनर टर्मिनलों तक इसके संचालन का विस्तार हुआ है।
- डीएलडीएसएल ने अब तक भारत में कंटेनर यातायात के लगभग 70% को कंटेनर ट्रैकिंग सेवाएँ प्रदान की हैं।